मजदूरों को 125 दिन की रोजगार की गारंटी मिली

योजना का कांग्रेस कर रही दुष्प्रचार : शिवराज सिंह चौहान

रायसेन,21 दिसंबर. केंद्रीय कृषि एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जी राम जी योजना के माध्यम से ग्रामीण मजदूरों को अब 100 दिन के बजाय 125 दिन रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी.उन्होंने कांग्रेस पर इस योजना को लेकर भ्रम और दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाया.रविवार को रायसेन जिला मुख्यालय पर एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से चर्चा में यह बात कही.

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ रायसेन पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मनरेगा का नाम जी राम जी होने पर कांग्रेस बेवजह हाय-तौबा मचा रही है, जबकि उसे यह देखना चाहिए कि इस नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों को अधिक दिनों का रोजगार मिलेगा.इससे उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में मजबूती आएगी.

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा की मौजूदा व्यवस्था में सुधार करते हुए विकसित भारत जी राम जी योजना तैयार की है, ताकि रोजगार गारंटी को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके.नई योजना के तहत रोजगार की अवधि को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को अधिक स्थायी आजीविका का अवसर मिलेगा.केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ओर शिवराज सिंह चौहान रायसेन शहर के दशहरे मैदान में सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी के बेटे के विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचे थे.यहां उन्होंने नव दंपती को आशीर्वाद देते हुए नए जीवन की शुरुआत की शुभकामनाएं दी.

> केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांवों में रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है .इसके लिए जी राम जी योजना के बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है .पहले इस योजना का प्रस्तावित बजट 88 हजार करोड़ रुपये था, जिसे बढ़ाकर 1 लाख 51 हजार 282 करोड़ रुपये कर दिया गया है .इस बढ़े हुए बजट का सीधा लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगा .शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस झूठ और भ्रामक प्रचार कर रही है, जबकि जी राम जी योजना ग्रामीण भारत में विकास के साथ-साथ बड़ा आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन लाने वाली योजना है .

मानसिक रूप से कमजोर बुजुर्ग आदिवासी की करोड़ों की जमीन फर्जी रजिस्ट्री से हड़पी

- **न्याय न मिलने पर पूरा परिवार आत्महत्या की दे रहा है चेतावनी**
- **कलेक्टर एसपी से लगा चुका है आदिवासी परिवार गुहार**

सिलवानी,21 दिसंबर. तहसील के ग्राम छींद कोलूआ निवासी एक आदिवासी परिवार पिछले एक माह से न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है.आरोप है कि मानसिक रूप से कमजोर 85 वर्षीय बुजुर्ग आदिवासी को आधार कार्ड अपडेट और इलाज के बहाने ले जाकर उसकी फोरलेन रोड किनारे स्थित करोड़ों रुपए की बेश कीमती जमीन की धोखाधड़ी पूर्वक रजिस्ट्री करवा ली गई.पीड़ित परिवार ने जनसुनवाई में ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टर एसपी से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगाई लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से परिवार भय और तनाव में जी रहा है.

पीड़ित रामबाबू गौड ने बताया कि उसके पिता शिब्बूलाल गौड आयु लगभग 85 वर्ष मानसिक रूप से कमजोर हैं.उनके नाम थाना तहसील देवरी क्षेत्र में फोरलेन रोड पर स्थित खसरा नंबर 591, रकबा 0.405 हेक्टेयर (लगभग 1 एकड़) भूमि दर्ज है.18 नवंबर 2025 को देवरी निवासी पप्पू उर्फ नसीम उल्ला और बुल्लू उर्फ फहीम उल्ला पिता याकूब अली जो परिचित बताए जा रहे हैं पिता को इलाज कराने के बहाने उदयपुरा ले गए.वहां आरोपियों ने जमीन की रजिस्ट्री नारायण दीवार निवासी बेरखेड़ी के नाम मात्र 6 लाख रुपये में करवा दी. परिजनों का आरोप है कि रजिस्ट्री के बाद आरोपी बुजुर्ग को पूरी रात गाड़ी में बैठाकर घुमाते रहे और सुबह 5 बजे ग्राम छींद कोलूआ के पास छोड़कर 6 लाख रुपए लेकर फरार हो गए.दूसरे दिन सुबह बुजुर्ग ने परिजनों को पूरी घटना बताई.इसके बाद से परिवार एक माह से थाना, तहसील और प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काट रहा है, लेकिन पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए पीड़ितों ने कहा कि अब तक आरोपियों पर पुलिस द्वारा एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई.पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि आरोपी पक्ष गोपी आदिवासी पिता रामस्तन जैथारी के साथ मिलकर उन्हें लगातार धमका रहा है.भय के साये में जी रहे परिवार ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला और जमीन वापस नहीं कराई गई तो वे आत्महत्या करने को मजबूर होंगे.शनिवार को पीड़ित आदिवासी परिवार ने सिलवानी स्थित नायक गार्डन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री रामपाल सिंह को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई.

पीड़ित रामबाबू गौड ने मुख्यमंत्री कलेक्टर रायसेन, एसपी तथा सिलवानी थाना प्रभारी से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर धोखाधड़ी से की गई रजिस्ट्री निरस्त कराई जाए और आदिवासी परिवार की जमीन वापस दिलाई जाए.

इनका कहना है

आवेदन प्राप्त हुआ है क्योंकि मामला कुछ समय पुराना है हर पहलू पर जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी.
पूनम सविता, थाना प्रभारी सिलवानी.

पुलिसकर्मियों ने गैंती-फावड़ा उठाकर किया श्रमदान

- **दीवानगंज चौकी परिसर में किया पौधरोपण**

सलामतपुर,21 दिसंबर. पुलिस चौकी दीवानगंज में रविवार को श्रमदान और स्वच्छता का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला. थाना प्रभारी दिनेश रघुवंशी एवं दीवानगंज चौकी प्रभारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने गैंती-फावड़ा और तगड़ी उठाकर चौकी परिसर के बाहर श्रमदान किया. इस दौरान पेड़-पौधे लगाने के लिए क्यारियां तैयार की गईं, उनमें मिट्टी डाली गई और पौधरोपण किया गया.

थाना प्रभारी दिनेश रघुवंशी ने बताया कि पुलिस चौकी में पदस्थ स्टाफ द्वारा प्रतिदिन कम से कम एक घंटे चौकी के आसपास साफ-सफाई एवं पेड़-पौधों को पानी देने का कार्य श्रमदान के रूप में किया जाता है.

> ।।उन्होंने कहा कि जब वह थाने से चौकी पहुंचे तो स्वयं भी पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर साफ-सफाई कर श्रमदान में सहभागिता की .इस अवसर पर हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र, हेड कांस्टेबल दिलीप यादव, आरक्षक संदीप रघुवंशी,सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे. पुलिसकर्मियों के इस प्रयास से न केवल चौकी परिसर स्वच्छ हुआ, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया .

जलते चूल्हे में गिरने से 44 वर्षीय व्यक्ति बुरी तरह जला

- **गंभीर अवस्था में सागर मेडिकल रेफर**

बेगमगंज,21 दिसंबर. तहसील अंतर्गत ग्राम झिरिया चौका में सुबह के समय घर में जल रहे चूल्हे के पास 44 वर्षीय व्यक्ति हरिकिशन पुत्र दरयाव सिंह को अचानक चक्कर आने से वह जलते चूल्हे में गिर पड़ा जिससे उसके कपड़ों और शरीर के अन्य हिस्सों में आग लग गई चीख पुकार सुनकर घर के लोगों ने आग बुझाई और सिविल अस्पताल लेकर आए .

डॉक्टर नितिन तोमर द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद 63 प्रतिशत जल चुके हरिकिशन को सागर मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है.सूचना पर पुलिस ने मामला संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है.

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

रायसेन,21 दिसंबर.जिला मुख्यालय के सागर तिराहे पर रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदले जाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया.इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और भाजपा पर महात्मा गांधी के नाम को योजनाओं से हटाने का आरोप लगाया गया.

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को गांधी के नाम से क्या दिक्कत हो गई है, जो देश की सबसे महत्वपूर्ण जनहितैषी योजना का नाम बदलने की जरूरत पड़ी.कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार किसी भी योजना में वास्तविक सुधार करने के बजाय केवल नाम बदलकर अपनी उपलब्धि बताने का काम कर रही है.उन्होंने कहा कि सरकार यदि सच में कुछ नया करना चाहती है तो नई योजना शुरू करे और उसका नाम रखे, न कि कांग्रेस शासनकाल की योजनाओं का नाम बदलकर श्रेय लेने का प्रयास करे.

धरना-प्रदर्शन में विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र पटेल, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुमताज खान, पूर्व विधायक देवेन पटेल गडरवास, डॉ. जीसी. गौतम, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, कांग्रेस प्रवक्ता जावेद अहमद, हकीम उद्दीन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे. कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार जनहितैषी योजनाओं को धीरे-धीरे कमजोर कर बंद करने की साजिश कर रही है.विशेष रूप से कांग्रेस शासनकाल में शुरू की गई योजनाओं को निशाना बनाया जा रहा है.नेताओं ने कहा कि मनरेगा जैसी योजना से गरीब, मजदूर और ग्रामीण वर्ग को सीधा लाभ मिलता है, इसलिए सरकार इसे कमजोर कर रही है. विधायक देवेंद्र पटेल ने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की शुरुआत वर्ष 2006 में कांग्रेस शासनकाल के दौरान हुई थी.इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब और बेरोजगार लोगों को वर्ष में 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और मजदूरों को सीधे नकद भुगतान सुनिश्चित करना था.

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने न केवल योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया है, बल्कि इसके मूल स्वरूप में भी बदलाव कर इसे कमजोर किया है.कांग्रेस नेताओं का दावा है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा के लिए अपने 90 प्रतिशत अनुदान को घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया है, जिससे राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है और ग्रामीण मजदूरों को मिलने वाला रोजगार प्रभावित हो रहा है.

प्रबंध समितियों का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न

सिलवानी,21 दिसंबर. स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में विद्या भारती मध्यभारत प्रांत की योजना के अंतर्गत जिले में संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालयों की प्रबंध समितियों का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया.सम्मेलन का उद्देश्य विद्यालयों के सुचारु संचालन के साथ-साथ प्रबंध समितियों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करना रहा.

सम्मेलन में वीर शिवाजी शिक्षण समिति सिलवानी, विवेकानंद शिक्षा परिषद बेगमगंज, माँ नर्मदा शिक्षण समिति बरेली, स्वामी रामकृष्ण परमहंस शिक्षा समिति रायसेन, स्व. प्रीति शिक्षा समिति सियरमऊ तथा सरस्वती वैदिक शिक्षा प्रचार समिति सुल्तानपुर के अध्यक्ष, सचिव सहित 35 से अधिक समिति सदस्य उपस्थित रहे.सभी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विद्यालयों के अनुभव साझा किए और संचालन से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की. इस अवसर पर विद्या भारती मध्यक्षेत्र के कोषाध्यक्ष संजय पटवा तथा भोपाल विभाग के विभाग समन्वयक अंकित शुक्ला ने मार्गदर्शन प्रदान किया.उन्होंने प्रबंध समितियों की भूमिका, वित्तीय पारदर्शिता, विद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारियों, शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा संगठनात्मक समन्वय के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला.साथ ही उन्होंने कहा कि विद्या भारती की शिक्षण परंपराएं केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण पर भी विशेष बल देती हैं.

शासकीय स्कूलों का निरीक्षण, शिक्षा व्यवस्था का आकलन

रायसेन. कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार जिले के शासकीय स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और परीक्षा परिणामों में वृद्धि के उद्देश्य से अधिकारियों एवं एसडीएम द्वारा नियमित निरीक्षण किए जा रहे हैं.सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में शासकीय स्कूलों का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं. इसी क्रम में रायसेन तहसीलदार ने शासकीय हाई स्कूल रतनपुर का निरीक्षण किया.निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से अध्यापन की स्थिति, पाठ्यक्रम तथा शिक्षकों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली.

कंकाली माता मंदिर गोरखपुर में अनुभूति ईको कैंप का आयोजन

देवरी,21 दिसंबर.वन मंडल अधिकारी प्रतिभा शुक्ला के मार्गदर्शन में वन विभाग देवरी सामान्य के अंतर्गत कंकाली माता मंदिर, गोरखपुर में अनुभूति ईको कैंप का आयोजन किया गया.इस पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में शासकीय हाई स्कूल टिमरावन, शासकीय मिडिल स्कूल टिमरावन, शासकीय हाई स्कूल आलीवाड़ा, शासकीय हाई स्कूल गोरखपुर तथा छात्रावास गोरखपुर के कुल 120 विद्यार्थियों ने सहभागिता की.

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को नेचर ट्रेल और पक्षी दर्शन का भ्रमण कराया गया.इसके बाद निबंध लेखन, चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को प्रकृति से जोड़ने का प्रयास किया गया.इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति रुचि और संवेदनशीलता विकसित की. नेचर ट्रेल के दौरान वनपाल ओम प्रकाश सिलावट (मास्टर ट्रेनर) एवं वन आरक्षक नीलेश रघुवंशी (मास्टर ट्रेनर) द्वारा बच्चों को विभिन्न पौधों और वृक्षों की पहचान, उनकी उपयोगिता एवं पर्यावरण में उनके महत्व की जानकारी दी गई.साथ ही वन्य प्राणियों की पहचान, उनके संरक्षण की आवश्यकता तथा जैव विविधता के महत्व पर भी विस्तार से समझाया गया.प्रशिक्षकों ने वन विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्यों जैसे चेक डैम निर्माण, सीपीडब्ल्यू, कंटूर ट्रेंच, अग्नि सुरक्षा, पौधारोपण और जल संरक्षण गतिविधियों की भी जानकारी दी.

भ्रष्टाचार रीब दो किलोमीटर लंबी यह सड़क तीन साल की गारंटी के तहत बनाई गई थी

गीदगढ़ में 3 .43 करोड़ की सड़क 8 महीने में जर्जर

सलामतपुर,21 दिसंबर. रायसेन जिले के सांची विकासखंड अंतर्गत ग्राम गीदगढ़ में 3 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है.करीब दो किलोमीटर लंबी यह सड़क तीन साल की गारंटी के तहत बनाई गई थी, लेकिन महज आठ महीने में ही पूरी तरह जर्जर होकर दलदल में तब्दील हो गई है.सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो चुके हैं, जिससे दोपहिया वाहन तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है.

ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क का निर्माण आरईएस विभाग रायसेन द्वारा कराया गया था.आरोप है कि निर्माण कार्य में ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से भारी भ्रष्टाचार हुआ.सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों को ताक पर रखकर नीचे पीली मिट्टी डाली गई और ऊपर से केवल डामर की परत बिछा दी गई.नतीजा यह हुआ कि पहली ही बारिश में सड़क उखड़ने लगी और अब हालात बद से बदतर हो चुके हैं.

सड़क पर जलभराव की समस्या भी गंभीर बन गई है.ग्रामीणों का कहना है कि गड्ढों में भरे पानी के कारण आसपास के घरों में पानी घुस रहा है.एक किसान के घर में पानी भरने से उसके बाड़े में रखी सूख रही धान की फसल खराब हो गई.पीड़ित किसान ने बताया कि उसने कई बार ठेकेदार से मरम्मत की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला, काम नहीं हुआ.

ग्रामीणों ने बताया कि आए दिन लोग गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं.सड़क इतनी संकरी है कि यदि कोई वाहन फंस जाए तो दोनों ओर लंबी कतार लग जाती है. ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के बाद सड़क बनने की खुशी थी, लेकिन घटिया निर्माण के कारण यह खुशी ज्यादा दिन टिक नहीं पाई.लोगों का यह भी कहना है कि इससे बेहतर रास्ता तो पहले ही था.

> स्थानीय ग्रामीण जीवन सिंह ने कहा कि तीन साल की गारंटी वाली सड़क का आठ महीने में दलदल बन जाना सीधे तौर पर भ्रष्टाचार को दर्शाता है .वहीं किसान कदीर भाई और अमर सिंह धाकड़ ने भी घटिया सामग्री के उपयोग और अधिकारियों की अनदेखी के आरोप लगाए .मंगल सिंह धाकड़ ने बताया कि पहली बारिश में ही सड़क खराब हो गई थी .ग्रामीणों ने रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा से मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई और सड़क के पुनर्निर्माण की मांग की है .

हनुमानगढ़ में हिंदू सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेज

बेगमगंज,21 दिसंबर. सुल्तानगंज स्थित हनुमानगढ़ में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलन को लेकर आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई. बैठक में सम्मेलन के स्वरूप, व्यवस्थाओं तथा जिन गांवों की सहभागिता प्रस्तावित है, वहां आमंत्रण पत्र वितरण सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई. आयोजन समिति ने भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित करने हेतु कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया.

गौरतलब है कि 20 दिसंबर से 20 जनवरी के मध्य मध्यभारत प्रांत में सकल हिंदू समाज के नेतृत्व में हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जाना है. इसी क्रम में हनुमानगढ़ में 29 दिसंबर 2025 को हिंदू सम्मेलन प्रस्तावित है. सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और प्रखंड के गांव-गांव आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं.

आयोजन समिति द्वारा हनुमानगढ़ मंडल के अंतर्गत आने वाले ग्राम बम्होरी, बेरसला, मडिया, भजिया, खजुरिया, बेरखेड़ी रहमान, पिपलिया और मरखेड़ा गुलाब में लगातार संपर्क किया जा रहा है. सम्मेलन में भारत माता की सामूहिक आरती, हनुमान चालीसा पाठ सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है. हिंदू सम्मेलन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है. आयोजन समिति के माध्यम से घर-घर आमंत्रण पत्र वितरण की व्यवस्था की जा रही है. इसी क्रम में सोमवार 22 दिसंबर को सम्मेलन कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा.